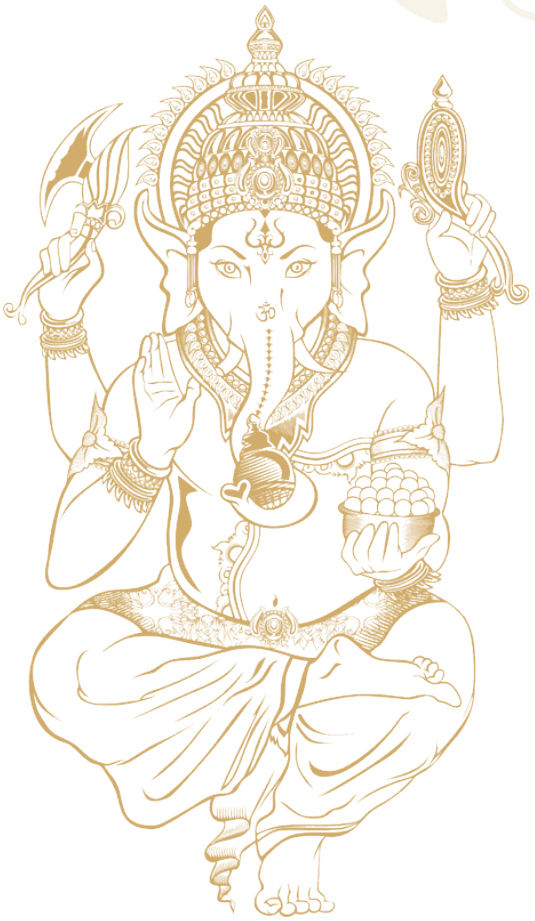

Jagrat Chanu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120285602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/06/1998	जन्म तिथि	03/09/2004
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 14:55:00	जन्म समय	18:07:00 घंटे
घटी 23:25:44	जन्म समय(घटी)	29:55:34 घटी
India	देश	India
Sikar	स्थान	Sikar
27:51:00 उत्तर	अक्षांश	27:51:00 उत्तर
75:14:00 पूर्व	रेखांश	75:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:04	स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:42	सूर्योदय	06:08:46
19:25:52	सूर्यास्त	18:47:24
23:50:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 2वर्ष 3मा 13दि	01:42:54	तुला	लग्न	कुंभ	05:03:33	केतु 0वर्ष 4मा 17दि
गुरु	29:17:58	वृष	सूर्य	सिंह	17:25:11	सूर्य
26/09/2025	20:17:05	मक	चंद्र	मेष	12:36:21	21/01/2025
26/09/2041	21:05:55	वृष	मंगल	सिंह	21:24:10	21/01/2031
गुरु 15/11/2027	04:21:32	मिथु	बुध	सिंह	01:53:04	सूर्य 10/05/2025
शनि 28/05/2030	02:27:00	मीन	गुरु	कन्या	01:25:44	चन्द्र 09/11/2025
बुध 02/09/2032	24:12:06	मेष	शुक्र	कर्क	02:27:31	मंगल 17/03/2026
केतु 09/08/2033	06:39:32	मेष	शनि	मिथु	29:45:22	राहु 09/02/2027
शुक्र 09/04/2036	10:06:26	सिंह व	राहु	मेष	09:25:13	गुरु 28/11/2027
सूर्य 26/01/2037	10:06:26	कुंभ व	केतु	तुला	09:25:13	शनि 09/11/2028
चन्द्र 28/05/2038	18:36:16	मक व	हर्ष व	कुंभ	10:37:35	बुध 15/09/2029
मंगल 04/05/2039	07:54:20	मक व	नेप व	मक	19:20:22	केतु 21/01/2030
राहु 26/09/2041	12:24:02	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	25:37:39	शुक्र 21/01/2031

लग्न-चलित

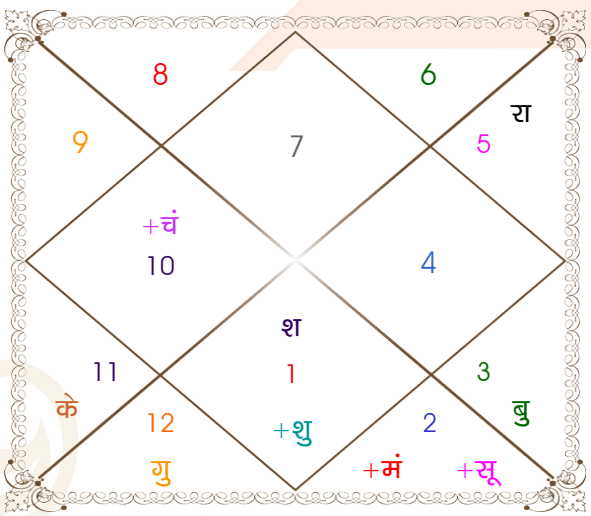

लग्न-चलित

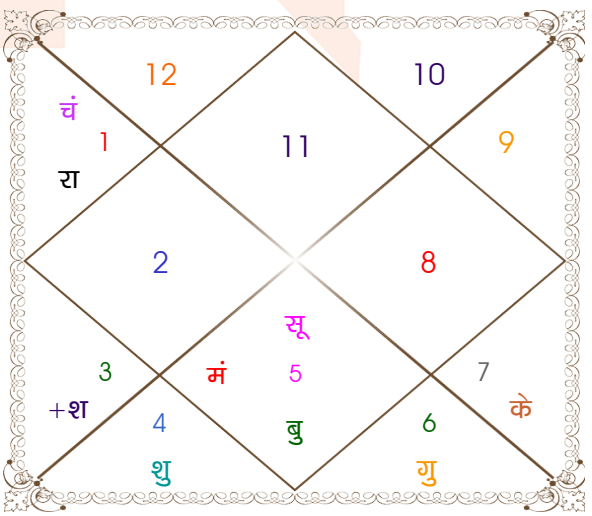

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

श्रंहतंज का वर्ग मार्जार है तथा Chanu का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार श्रंहतंज और Chanu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

श्रंहतंज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Chanu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Chanu कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि श्रंहतंज कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु श्रंहतंज कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

श्रंहतंज तथा Chanu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।